हिंदी (व्यावहारिक हिंदी)

प्रस्तावना

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है । आज संपूर्ण संसार एक होता जा रहा है। अत: संप्रेषण हेतु भाषा का महत्व बढ रहा है। हिंदी संपर्क भाषा है अत: संचार के विविध क्षेत्रों में हिंदी की भाषिक प्रयुक्तियाँ महत्वपूर्ण होती जा रही है। उच्च माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों को उनसे परिचित कराने की दृष्टि से प्रस्तुत पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश

१. श्रवण, भाषण, पठन एवं लेखन क्षमताओं का विकास करना।
२. आकलन एवं विचार-विनिमय करने की क्षमता का विकास करना।
३. रेडियो, दूरदर्शन, विविध चैनल्स समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, विज्ञापन माध्यम आदि में प्रयुक्त लिखित, मौखिक भाषा से परिचित करना।
४. विविध सरकारी स्वायत्त संस्थाओं में प्रयुक्त विशिष्ट पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।
५. कार्यालयीन एवं व्यावसायिक पत्राचार से परिचित कराना।
६. पत्रकारिता के विविध रुपों से परिचित कराना।
७. कैंप्यूटर की जानकारी देना।
८. अनुवाद के लिए प्रेरित करना।
९. विज्ञापनों की भाषिक प्रयुक्ति की जानकारी देना।
१०. संभाषण कौशल विकसित करना आदि.....

कक्षा ग्यारहवीं

पाठ्यक्रम

१) हिंदी भाषा का स्वरुप - हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास हिंदी का संवैधानिक रुप- राष्ट्रभाषा, राजभाषा

२) मानक लेखन- मानक वर्तनी, देवनागरी लिपि वर्ण एवं आंतरराष्ट्रीय अंक लेखन

३) पारिभाषिक शब्दावली - सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त शब्द, विधी, बैंक, वाणिज्य, विज्ञान आदि क्षेत्रोंसे संबंधित प्रत्येकी ५० शब्द- अथवा व्यवहारोपयोगी संवाद तथा जानकारी

४) अनुवाद - स्वरुप, प्रक्रिया, प्रकार। अंग्रेजी से हिंदी में अुनवाद (एक या दो परिच्छेद)

५) विज्ञापन - स्वरुप, आवश्यकता, प्रकार। विज्ञापनोंकी हिंदी ।

६) पत्राचार- सरकारी पत्र-६
व्यावसायिक पत्र -४

७) व्यावहारिक हिंदी- सामान्य व्यवहार में प्रयुक्त शब्द (संपादक मंडळ निमंत्रक के साथ विचार-विमर्श करके पाठ्यक्रम में संशोधन कर सकता है।)

कक्षा बारहवीं

पाठ्यक्रम

१) पत्रकारिता का स्वरुप - हिंदी पत्रकारिता के विविध रुप- प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र),
रेडियो की पत्रकारिता, दूरदर्शन की पत्रकारिता

२) जनसंचार माध्यम - स्वरुप, कार्य, उद्देश

३) जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रुप - समाचार की भाषा, विज्ञापन की भाषा, कृषि तथा बच्चों के कार्यक्रम की भाषा।

४) हिंदी से संबंधित तकनिकी ज्ञान - कैंप्यूटर, एम.एस. वर्ड, डी.टी.पी., इंटरनेट, वेबसाईट, ई-कॉमर्स आदि की प्राथमिक जानकारी -अथवा संबंधित विषय पर आधारित संवाद

५) परिभाषिक शब्दावली- सरकारी, अर्धसरकारी, विविध संस्थाओं में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली -प्रत्येकी लगभग ५० शब्द

६) पत्राचार- सरकारी पत्र-६
व्यावसायिक पत्र -४
(संपादक मंडळ निमंत्रक के साथ विचार-विमर्श करके पाठ्यक्रम में संशोधन कर सकता है।)

❖❖❖

हिंदी (०४)

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ तथा एन.सी.एफ. २००५ के अनुसार उच्च माध्यमिक हिंदी पाठ्यक्रम निश्चित किया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों को सामाजिक समस्याओं का निराकरण करने के उपाय, वैज्ञानिक सोच, व्यावहारिक तथा व्यावसायिक कौशल, राजनीतिक, साहित्यिक तथा सामाजिक गतिविधियाँ आदि के प्रति सचेत करने की दृष्टि से पाठ्यक्रम में कुछ नूतन उद्‌भावनाएँ की गई हैं । छात्रों को जनसंचार माध्यमों से परिचित कराते हुए हिंदी भाषा के अनुप्रयोग के प्रति सचेत करने के लिए कुछ उपक्रम भी सुझाए गए हैं।

इस स्तर पर केवल हिंदी भाषा पढ़ाना उद्‌देश्य नहीं है बल्कि शील-संपन्न नागरिक निर्माण करने हेतु विविध वैयक्तिक, सामाजिक, राजनीतिक मूल्यों का परिचय कराना भी महत्वपूर्ण होता है अत: साहित्य तथा पाठों के माध्यम से मूल्य संस्कार का उद्‌देश्य सफल हो सकता है।

प्रस्तुत स्तर के पाठ्यक्रम के उद्‌देश्य निम्नलिखित हैं।

१) हिंदी भाषा की संरचना तथा व्याकरण के मूलतत्वों के ज्ञान को विस्तृत करना।

२) हिंदी के शब्दभंडार की अभिवृद्‌धि तथा उसके अनुप्रयोग की योग्यता का विकास करना।

३) भाषा की मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में कुशलता प्राप्त करके छात्र की निजी स्वतंत्र शैली का विकास करना।

४) वाक् प्रतियोगिता, भाषण, कलामंच-संचालन, संवाद आदि से परिचित करना।

५) साहित्य पाठों के माध्यम से छात्रों में सौंदर्यबोध तथा कलात्मक बोध का विकास करना।

६) भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं का परिचय देते हुए समता, राष्ट्रीयता, बंधुता, वैश्विक एकता आदि भावों का पोषण करना।

७) साहित्य की विविध विधाओं के माध्यम से संबंधित साहित्यकारों तथा उनकी विभिन्न शैलियों का परिचय देना। हिंदी साहित्य के इतिहास का स्थूल परिचय देना।

८) वैश्वीकीकरण के परिप्रेक्ष्य में अनूदित साहित्य का परिचय कराना। साथ ही छात्रों में अनुवाद की क्षमता विकसित करना।

९) राजभाषा के रूप में हिंदी के शासकीय तथा व्यावहारिक रूप का परिचय देना।

१०) जनसंचार माध्यमों की भाषा के रूप में हिंदी की विविध प्रयुक्तियों का ज्ञान देना। सी.डी., डि.व्ही.डी., इंटरनेट पर प्रस्तुत पूरक साहित्य का परिचय देना।

कक्षा ११वीं

१. **गद्य : १२ पाठ : ८० पृष्ठ**

कहानियाँ	७
निबंध	२
एकांकी	१
हास्य, व्यंग्य/संस्मरण	–
विज्ञान/पर्यावरण/रेखाचित्र	२
जीवनी आदि	
	१५

२. **पद्य – १० कविताएँ/२५० तक पद्य पंक्तियाँ**

मध्ययुगीन :	४	३
आधुनिक :	१०	७
	१४	

३. **पूरक पठन : कुल ७ पाठ हास्य-व्यंग्य रचनाएँ**

वैज्ञानिक/औद्‌योगिक आदि	७
हास्य व्यंग्य रचनाएँ	
	७

४. **रचना विभाग –**

निबंध – २०० शब्दों तक करना।

- चित्र वर्णन
- सारांश लेखन –
- पत्रलेखन
  - व्यावसायिक/कार्यालयीन पत्र
  - साक्षात्कार/ भेंटवार्ता